ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class - VI

Subject- Sanskrit 3rd Language

पाठः - संस्कृत-वर्णमाला |

By- Geethu praseed

संस्कृत – वर्णमाला|

संस्कृत वर्णमाला में 13 स्वर 33 व्यंजन हैं |

स्वर-

अ , इ , उ , ऋ ,ऌ	_ Short Vowels	{ ह्रस्व }
आ , ई , ऊ , ॠ	–Long Vowels	{दीर्घ}
ए , ऐ , ओ , औ	–Diphthongs	{ संयुक्त}

व्यंजन –

स्पर्श व्यंजन

क्	ख्	ग्	घ्	ङ्	क वर्ग
च्	छ्	ज्	झ्	ञ्	च वर्ग
ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्	ट वर्ग
त्	थ्	द्	ध्	न्	त वर्ग
प्	फ्	ब्	भ्	म्	प वर्ग

य्	र्	ल्	व्
श्	ष्	स्	ह्

अन्तः स्थ व्यंजन

ऊष्म व्यंजन

इनके अतिरिक्त दो अयोगवाह हैं -

अनुस्वार (ं) - अंग , संग

विसर्ग (:) - अन्तः , बहिः

- सभी व्यंजन मूल रूप से हलन्त होते हैं | जब उनमें कोई भी स्वर मिलता है , तो हल चिह्(्) का लोप हो जाता है और स्वर की मात्रा लग जाती है ; जैसे –

क्+अ =क म्+ई =मी ग्+इ =गि क्+ऋ =कृ न्+ओ =नो

प्+आ =पा ट्+ऊ =टू घ्+उ =घु च्+ए =चे म्+अ: =म:

क् +अ =क	**क् +ऋ = कृ**
क् +आ =का	क् +ए =के
क् +इ =कि	क् +ऐ =कै
क् +ई =की	क् +ओ =को
क् +उ =कु	क् +औ =कौ
क् +ऊ =कू	क् +अं =कं
क् +ऋ =कृ	क् +अ: =क:

- जब दो व्यंजनों को मिलाकर एक कर दिया जाए तो वह संयुक्त वर्ण कहलाता है ;जैसे –

क् + ष् + अ = क्ष – क्षमा

त् + र् + अ = त्र – मित्र

ज् + ञ् + अ = ज्ञ - ज्ञान

प् + र् + अ = प्र – प्रगति

* **वर्ण-विच्छेद** : जब किसी शब्द के वर्णों (अक्षरों) को अलग-अलग कर दिया जाए तो वह **वर्ण-विच्छेद** कहलाता है | शब्द के अन्त में जो अक्षर हो उसी, अन्त वाला वह शब्द कहलाता है ; जैसे – "अ" अंत से अकारान्त, "आ" से आकारान्त | इसी प्रकार इकारान्त,उकारान्त, आदि होते हैं | कुछ उदाहरण देखिए –

1. देव – द् + ए +व् +अ (अकारान्त)
2. गीता – ग् + ई + त् +आ (आकारान्त)
3. पति - प् + अ + त् + इ (इकारान्त)
4. नदी - न् + अ + द् + ई (ईकारान्त)
5. साधु – स् + आ + ध् + उ (उकारान्त)
6. मातृ – म् + आ + त् + ऋ (ऋकारान्त)
7. भवत् – भ् + अ + व् + अ + त् (हलन्त)

- **वर्ण-संयोग :** विभिन्न वर्णों को क्रम से जोड़कर शब्द बनाने की प्रक्रिया को वर्ण-संयोग कहते हैं ; जैसे –

1. व् + अ + र् + ण् + अ = वर्ण

2. अ + क् + ष् + अ + र् + अ = अक्षर

3. क् + ऋ + प् + आ = कृपा

4. म् + आ + त् + र् + आ = मात्रा

5. स् + अ + व् + इ + त् + आ = सविता

धन्यवाद: ।

****